एक बार की बात है, राजा भोज अपने महामंत्री के साथ किसी विषय पर चर्चा करते-करते राजधानी से बहुत दूर निकल गए और रास्ता भटक गए। उनके सामने समस्या थी कि कैसे लौटें? तभी उन्हें एक बुढ़िया दिखाई दी, उन्होंने उससे पूछा, "माँ, हम राही हैं, रास्ता भटक गए हैं।" यह सुनकर बुढ़िया बोली, "तुम कैसे राही हो जो रास्ता ही भूल गए। राही तो दो हैं–सूर्य और चंद्रमा। युगों से चल रहे हैं, पर राह कभी नहीं भूले।" महामंत्री ने बूढ़ी स्त्री से पूछा, "माँ, यह रास्ता कहाँ जाता है?" उसने कहा, "बेटे, रास्ता कहीं नहीं जाता, वह सदा स्थिर रहता है। लोग ही इससे आते-जाते हैं।" वह अब तक भी उन्हें पहचान नहीं पा रही थी और उनका परिचय ज्ञात करना चाहती थी। राजा भोज ने कहा, "हमें अतिथि समझ लो।" बुढ़िया ने उत्तर दिया, "अतिथि तो दो हैं–धन और यौवन।" राजा भोज जिन्हें अपने ज्ञान पर घमंड था, उस बूढ़ी स्त्री की वाक्पटुता से चकित हो गए और यह मान गए कि ज्ञान किसी की बपौती नहीं।

(क) राजा भोज की समस्या क्या थी?

....

(ख) कौन-से दो राही हैं, जो कभी रास्ता नहीं भूलते?

....

(ग) बूढ़ी स्त्री ने धन और यौवन की तुलना किससे की?

....

(घ) राजा भोज को किस बात का घमंड था?

....

(ङ) क्या किसकी बपौती नहीं है?

....

पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा करने से ऋतुओं में परिवर्तन होता है। प्रकृति सदैव अपने रंग-रूप में परिवर्तन करती रहती है और यही परिवर्तन प्रकृति का नियम है। यही कारण है कि भारतवर्ष में छह ऋतुएँ होती हैं। सभी ऋतुओं का अपना-अपना महत्व है और सभी की अपनी-अपनी शोभा है, परंतु वर्षा, शरद, शिशिर, हेमंत, वसंत और ग्रीष्म में से वसंत ऋतु का विशेष महत्व है। ग्रीष्म अपने भयंकर ताप से पृथ्वी को तपाता है, तो वर्षा अपने ठंडे-ठंडे जल से धरती की प्यास बुझाती है। शरद और हेमंत अपनी सर्द हवाओं से कंपन उत्पन्न करते हैं। शिशिर पेड़-पौधों के पत्तों को ही झटक लेता है। इसके विपरीत वसंत सर्वत्र सौंदर्य और उल्लास बिखेरकर मानव के मन को प्रसन्नता व उमंग से भर देता है। फाल्गुन और चैत्र के दो महीने वसंत ऋतु के होते हैं। वसंत ऋतु में न अधिक गरमी होती है, न अधिक सरदी। जलवायु भी बहुत सुहावनी होती है।

(क) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक लिखिए।

....

(ख) ऋतुओं में परिवर्तन कैसे होता है?

....

(ग) भारत में कितनी ऋतुएँ होती हैं?

....

(घ) वसंत ऋतु के कौन-से दो महीने होते हैं?

....

(ङ) किस ऋतु में पेड़ों से पत्ते झड़ते हैं?

....